कृष्ण-सुदामा चरित्र के साथ सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का किया समापन

व्यक्ति के कर्म ही उसे श्रेष्ठ बनाते हैं : वंदना श्रीजी

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

जीवन में संतुलन होना जरूरी है, अति विष के समान है। व्यक्ति के कर्म ही उसको श्रेष्ठ बनाते हैं, जिस दिन परमात्मा जीवन में आ जाते है उस दिन से ही आनंद शुरू हो जाता है। गौमाता की सेवा करने से पुण्य मिलता है। गोमाता की सेवा और रक्षा करना प्रत्येक मनुष्य का कर्तव्य है।

उक्त विचार ब्रजरत्न वंदना श्रीजी ने रसोमा चौराहा स्थित आनंदम क्लब एंड रिसॉर्ट में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के सातवें दिन कही। उन्होंने कहा कि जीवन में भगवान का स्मरण करके हर कार्य की शुरआत करना चाहिए। आयोजन प्रमुख गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कि सा दिनों से चल रही श्रीमद् भागवत कथा का समाप कृष्ण-सुदामा चरित्र वर्णन के साथ हुआ। सैक महिलाओं ने भजनों पर नृत्य किया। भक्तों ने कृष्ण व लीलाओं का आनंद लिया, 65 से अधिक कलाकारों भगवान कृष्ण की लीलाओं का मंचन किया।

मंगलवार को व्यासपीठ का पूजन भाजपा के राष्ट्री महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, विधायक रमे मेंदोला, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक आका विजयवर्गीय, खातेगांव विधायक आशीष शम समाजसेवी विष्णु बिंदल, गणेश गोयल, राज दीक्षि बालमुकुंद सोनी, कालू गगोरे ने किया। अंत में भागव महापुराण की विदाई की गई।